प्रतिवेदन

"मछली और झींगा पालन" पर कौशल विकास कार्यक्रम—प्रतिवेदन

भा कृ अनु प – केंद्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान के जलकृषि विभाग ने 13 जून से 27 जून, 2023 तक **"मछली और झींगा खेती"** नामक एक कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। 15 दिनों तक चलने वाला यह कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृषि नवाचार कोष - एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन (एबीआई) द्वारा प्रायोजित किया गया था। डॉ. सुखम मुनिलकुमार, प्रधान वैज्ञानिक और पूर्व विभागाध्यक्ष , ने डॉ. कपिल सुखधाने, डॉ. माधुरी पाठक, डॉ. थोंगम आई चानू और जलकृषि विभाग के डॉ. प्रेम कुमार के समन्वय से प्रशिक्षण का नेतृत्व किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चौदह प्रतिभागियों को लक्षित किया गया, जिनमें बिहार के कॉलेजों में स्नातक की डिग्री हासिल करने वाली दो महिलाएं और बारह पुरुष छात्र शामिल थे। कार्यक्रम में व्यावहारिक प्रदर्शन पर जोर दिया गया। इसमें 28 सैद्धांतिक कक्षाएं और 21 व्यावहारिक सत्र शामिल हैं। प्रशिक्षण के भाग के रूप में, प्रतिभागियों ने क्षेत्र का अनुभव प्राप्त करने के लिए सफाले झींगा फार्म और पवई झील का दौरा किया। प्रशिक्षण से पहले और बाद का मूल्यांकन किया गया प्रतिभागियों के ज्ञान का आकलन तथा जिसमें कवर किए गए विषयों में 60-70% सुधार का पता चला। प्रशिक्षुओं ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी, पाठ्यक्रम से पूर्ण संतुष्टि व्यक्त की और इसे "उत्कृष्ट" रेटिंग दी। समापन कार्यक्रम के दौरान, आईसीएआर-सीआईएफई के निदेशक डॉ. सी.एन. रविशंकर ने प्रत्येक प्रतिभागी से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की और उनसे प्राप्त ज्ञान को लागू करने की उनकी योजनाओं के बारे में पूछताछ की। उन्होंने प्रतिभागियों को सीआईएफई के साथ अपना संबंध बनाए रखने और भविष्य के स्पष्टीकरण और संभावित सहयोग के लिए संसाधन व्यक्तियों के साथ जुड़ने के लिए प्रोत्साहित किया। डॉ. एन.पी. साहू, संयुक्त निदेशक, ने सभी प्रशिक्षुओं को कार्यक्रम के सफल समापन के लिए बधाई दी और उन्हें बिहार में अपनी मछली पालन शुरू करने की सलाह दी। डॉ. रविशंकर ने पाठ्यक्रम निदेशक, समन्वयकों की सराहना करते हुये प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के लिए पूरी टीम को धन्यवाद दिया ।